एक नजर में

पार्षद ने आजाद वाटिका में किया पौधारोपण

झाबुआ। शहर के वार्ड 1 की पार्षद एवं भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष रेखा अश्विन शर्मा ने एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत स्थानीय बहादुर सागर तालाब किनारे पर ऐतिहासिक छतरीयों के पास एवं आजाद वाटिका में विभिन्न प्रजातियों के पौधो का रोपण किया। साथ ही उन्हें बड़ा करने का संकल्प भी लिया। विभिन्न प्रजातियों के पौधों में अशोक, जामुन, गुलमोहर, आंवला, नीम, पीपल बिल्वपत्र, जाम एवं फूलों के पौधे लगाए गए। विगत वर्ष में भी जो पौधारोपण किया गया था, उनकी निरंतर देखभाल और रखरखाव करने के कारण आज वो बड़े हो गए है, उनको भी लगभग एक वर्ष होने को आया है। पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के वातावरण में शुद्ध हवा का प्रवाह हो, इस उद्देश्य से वार्ड पार्षद द्वारा पौधारोपण कर हरियाली को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में पं. गणेशप्रसाद उपाध्याय, विनोद दत्त, प्रदीप पंड्या, योगेन्द्र सोनी, बाबूलाल पंचाल, पीडी रायपुरिया, शंकरलाल राठौड़, मोहनलाल राठौड़, नाथूलाल पाटीदार, जितेंद्र शाह, आशीष चतुर्वेदी, गौतम त्रिवेदी, अमित शर्मा, दीनदयाल माहेश्वरी, अखिल त्रिवेदी, अश्विन शर्मा, हर्षिता शर्मा आदि उपस्थित थे।

गुमशुदा महिला कनक पाटीदार सकुशल दस्तयाब

पेटलावद। पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल के निर्देश पर, अति. पुलिस अधीक्षक प्रतिपालसिंह महोबिया एवं एसडीओपी अनुरक्ति साबनानी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पेटलावद निर्भयसिंह भूरिया व उनकी टीम द्वारा एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए गुमशुदा महिला कनक पाटीदार को सकुशल दस्तयाब किया गया है। घटना के विवरण में बताया गया कि 2 जुलाई को फरियादी चेतन पाटीदार, नि. अमरगढ़ द्वारा अपनी पत्नी कनक पाटीदार के घर से लापता होने की रिपोर्ट थाना पेटलावद में दर्ज कराई थी। उक्त रिपोर्ट पर गुम इंसान का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण महिला संबंधी होने के कारण अत्यंत गंभीरता से लेते हुए एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि गुमशुदा महिला, पारिवारिक कलह एवं पति व सास-ससुर की प्रताड़ना से त्रस्त होकर बिना किसी को बताए घर से निकल गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार विवाह के उपरांत से ही गुमशुदा के वैवाहिक जीवन में मनमुटाव बना हुआ था। महिला की तलाश हेतु रिश्तेदारों, मित्रों, पूर्व सहेलियों से पूछताछ की गई, साथ ही फेसबुक, व्हाट्सएप व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से व्यापक प्रचार किया गया। पुलिस टीमों को इंदौर, उज्जैन, राजगढ़, वृंदावन आदि स्थानों पर भेजकर विभिन्न धार्मिक स्थलों, सत्संग सभाओं एवं धर्मशालाओं में पतारसी कराई गई। गुमशुदा की धार्मिक प्रवृत्ति एवं गीत-संगीत में रुचि को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में भी जांच जारी रही। अंततः 13 जुलाई को गुमशुदा महिला अपने माता-पिता के साथ स्वयं थाना पेटलावद उपस्थित हुई। पुछताछ में उसने बताया कि वह ससुराल पक्ष की प्रताड़ना से परेशान होकर ट्रेन द्वारा दिल्ली चली गई थी। दिल्ली में सोशल मीडिया के माध्यम से जब उसे पता चला कि पुलिस व परिजन उसकी तलाश में व्यस्त हैं, तो उसने स्वेच्छा से घर लौटने का निर्णय लिया। महिला ने स्पष्ट किया कि उसके साथ कोई अनहोनी घटना नहीं घटी है। महिला द्वारा दिए गए कथन के आधार पर उसके पति एवं सास-ससुर के विरुद्ध प्रताड़ना की धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया है। यह कार्यवाही थाना पेटलावद पुलिस टीम की सतत निगरानी, सक्रियता एवं जनसंपर्क के माध्यम से सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग करने के कारण संभव हो पाई।

साहित्यकारों एवं विशिष्टजनो का समारोह में होगा सम्मान

झाबुआ। आजाद साहित्य परिषद झाबुआ अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न साहित्यक कार्यक्रमों का आयोजन आगामी 23 जुलाई को आजाद की जयंती पर करने जा रही है, विगत 50 वर्षों की गतिविधियों से साहित्यनुरागी को परिचित कराने के साथ ही परिषद से जुड़े अनेक रचनाकारों का विशिष्ट अभिनंदन भी किया जा रहा है, साथ ही क्षेत्रीय साहित्यकारों का सम्मान भी किया जाएगा। इस अवसर पर साहित्यक गतिविधियों को सहयोग करने वाले सहयोगीजनो का भी अभिनंदन होगा। परिषद के संस्थापक अध्यक्ष वीरेन्द्र मोदी का समारोह में विशेष अभिनंदन होगा। समारोह में अनेक विशिष्टजन अतिथि होगे। परिषद के अध्यक्ष डॉ. केके त्रिवेदी एवं सचिव शरत शास्त्री ने बताया की परिषद् अपनी स्थापना काल से ही क्रांतिकारियो के कृतित्व के प्रति समर्पित रही हैं एवं क्षेत्रिय रचनाकारों को सम्मानित करने एवं रचनाधर्मिता को प्रोत्साहन देना उद्देश्य है। क्रांतिकारियों के बलिदानों से अवगत कराने के लिए वह समग्र यात्रा साहित्यकारों एवं अनुरागियों के साथ माटी मिलन यात्रा के विगत वर्षों में आयोजन द्वारा जन जागृति का प्रयास भी कर रही है, इन पचास वर्षो में अनेक आर्थिक व्यवस्था की कमी के बाद भी साहित्यकार अपना दायित्व निभा रहे हैं और आगे भी यह क्रम हम निरंतर बनाए रखेंगे।

पेटलावद सिविल अस्पताल में रक्त दान शिविर का आयोजन

पेटलावद . सीएमएचओ डॉ बी एस बघेल , सीबीएमओ डॉ एम एल चोपड़ा एव स्रश्रद्ध राजाराम खन्ना के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वस्थ्य कर्मचारी संगठन पेटलावद द्वारा किये गए रक्तदान शिविर में 103 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान। सामुदायिक स्वस्थ्य अधिकारी संगठन ने रक्तदान शिविर के पूर्व किया था 108 रक्तदाताओं का ऑनलाइन पंजीयन , भारी बारिश के बाद भी रक्तदाताओं ने रक्तदान करने में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया , रक्तदाताओं को लाने ले जाने के लिये संगठन नेवाहन की भी व्यवस्था करि जिससे संगठन ने 100 से अधिक रक्तदाताओं से रक्तदान करवाने का लक्ष्य पूर्ण किया।

आईडीए ने आईएसबीटी का टेंडर किया निरस्त

▸ टेक्निकल और अनुभव में फेल हुई कंपनी

नव भारत न्यूज

इंदौर. आईडीए ने आईएसबीटी का टेंडर निरस्त कर दिया है. आईडीए की टेंडर शर्तो पर कंपनी काबिल नही पाई गई. खास बात यह है कि आईडीए ने टेंडर में बस स्टैंड, मेट्रो स्टेशन और एयर पोर्ट रखरखाव के अनुभव की शर्त रखी थी. कंपनी को उक्त तीनों के तकनीकी रखरखाव का अनुभव नहीं है.

आईडीए ने आईएसबीटी कुमेडी के संचालन और संधारण के लिए तीसरी बार टेंडर जारी किया था. आईएसबीटी इंदौर के लिए 567 एम.जी. रोड स्थित एम एंड पी वेयर हाउसिंग प्रालि कंपनी ने रुचि दिखाई थी. आईडीए को कंपनी टेंडर की टेक्निकल जांच और सीए से प्राप्त प्रतिवेदन में कामिल नहीं पाया गया है. उक्त कंपनी ने पहले किसी बस स्टैंड का संचालन और संधारण नहीं किया है.

> **कंपनी को बस संचालन का अनुभव नहीं**
> आईडीए सीईओ रामप्रकाश अहिरवार ने कहा कि कंपनी को बस स्टैंड संचालन का कोई अनुभव नहीं है. टेंडर निरस्त कर दिया है. अब कल फिर से टेंडर जारी करेंगे.

श्रावण मास के पहले सोमवार को शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़, गूंजे भोले के जयकारे

▸ बारिश की फुहार के बीच दर्शनार्थियों ने भोलेनाथ के किए दर्शन

नवभारत न्यूज

झाबुआ। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को इंद्र देवता भी मेहरबान हुए और दोपहर तक बारिश की रिमझिम बौछार से मौसम को खुशनुमा बनाया। शहर सहित अंचल के शिव मंदिरों में भक्तों की दर्शन-पूजन के लिए भीड़ देखने को मिली। विशेषकर महिला श्रद्धालुओं का अलसुबह से लेकर दोपहर तक दर्शन-पूजन का क्रम चलता रहा। इस दौरान शिवालयों में ''ऊ नमः शिवाय, हर-हर महादेव'' बम बम भोले के स्वरं भी गूंजायमान हुए। दिनभर अंचलवासी शिव भक्ति, पूजा-अर्चना एवं आराधना में रमे रहे। सावन माह का पहला सोमवार शिव भक्तों के लिए विशेष दिन रहा। शिव भक्तों का प्रातः काल से ही शिवालयों में पहुंचना आरंभ हो गया, जहां उन्होने जलाभिषेक, दुग्ध अभिषेक, मंत्रों उच्चारण, जप, आराधना, पूजन, पाठ किया। भक्तों ने भगवान भोलेनाथ को विधि विधान से पूजन कर बेलपत्र, धतूरा, पुष्प, दुग्ध अर्पण किया व मिठाई का भोग भी लगाया। शहर के डीआरपी लाईन स्थित श्री गोपेश्वर महादेव मंदिर में अलसुबह से ही महिलाओं का पूजन की थालियां सजाकर दर्शन-पूजन के लिए आना शुरू हो गया। महिलाओं ने गोपेश्वर महादेवजी की जल, दूध, पंचामृत से अभिषेक कर पुष्पों से पूजन की। मंदिर में शिवजी के समुधर गीत गूंजायमान हुए। भक्तों ने समीपस्थ नाग मंदिर पर भी पूजन की। इसी प्रकार छोटा तालाब स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर पर भी सुबह से लेकर दोपहर तक भक्तों की दर्शन-पूजन के लिए आवाजाही जारी रहीं। शहर के मध्य पोस्ट आफिस के पीछे सिद्धेश्वर कॉलोनी स्थित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पर भी दर्शन-पूजन का विशेष क्रम चला। विवेकानंद कॉलोनी स्थित श्री उमापति महादेव मंदिर में भी प्रातः से दोपहर तक पूजा अर्चना का क्रम चला। श्रावण मास को लेकर शिवालयों को विशेष विद्युत सज्जा से सजाया गया। इन मंदिरों पर संध्या कालीन महाआरती के पश्चात फरियाली खिचड़ी व अन्य प्रसादी का वितरण भी किया गया। शहर के नेहरू मार्ग स्थित श्री बडकेश्वर महादेव मंदिर, कॉलेज मार्ग स्थित प्राचीन सोमेश्वर महादेव मंदिर, श्री रामेश्वर महादेव मंदिर, सर्किट हाउस स्थित श्री संकट मोचन महादेव मंदिर, गायत्री मंदिर स्थित श्री स्फटीक महादेव मंदिर, गोपाल कॉलोनी स्थित श्री महाकालेश्वर महादेव मंदिर, गैल कालोनी स्थित श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी में नवदुर्गा धाम स्थित श्री ऋण मुक्तेश्वर महादेवजी के भी श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किया। शाम ढलते ही पुनः शिवालयों पर भक्तों की भीड दर्शनाथ उमडी। इस दौरान शिवालयों में बाबा भोलनाथ की आकर्षक झांकिया बनाई गई, जिसे भक्तों ने निहारा और झांकी निर्माणकर्ताओं की सराहना की।

देवझिरी तीर्थ व अनास पर भी भक्तों का तांता

शहर से 6 किमी दूर स्थित ग्राम देवझिरी तीर्थ स्थल पर भी बडी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे जहां उन्होने मां नर्मदा के कंड में डुबकियां लगाकर श्री संकट मोचन महादेव का दर्शन पूजन किया। यहां मंदिर पर सुबह से शाम तक भक्तों का तांता लगा रहा। यहां कई स्थानों से मां नर्मदा का जल लेने पहुंचे कावड यात्रियों ने भी भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। आनास नदी स्थित श्री पारदेश्वर एवं श्री दूधेश्वर महादेव मंदिर पर भी शिव भक्तों की काफी भीड देखने को मिली। इन शिवालयों पर विभिन्न धार्मिक आयोजन भी संपन्न हुए। इस दिन श्रद्धालुओं ने व्रत-उपवास आदि रखकर फरियाली खिचड़ी ग्रहण की। रात्रि में सभी शिवालयों में पर भगवान का विशेष श्रृंगार कर महाआरती के बाद प्रसादी के रूप में फरियाली खिचड़ी का वितरण किया गया।

रिमझिम फुहारों का दौर चला - सोमवार को इंद्र देवता भी प्रसन्न होकर सुबह से ही शहर सहित अंचल में रिमझिम बारिश की फुहारों से सबको आनंदित करते रहे। रिमझिम बारिश के क्रम से भी भक्त विचलित नहीं हुए और शिव भक्तों ने देवालयों की और कोई पैदल, तो कोई वाहन से शिव मंदिर की और दर्शन, पूजन के लिए अपने कदम बडा रहा था। शिव भक्तों ने भगवान भोलेनाथ से क्षेत्र में अच्छी वर्षा व खुशहाली की कामना के लिए प्रार्थना की। आज सावन के पहले सोमवार पर शहर सहित अंचल के गांवों में स्थित शिवालयों में भी हर-हर महादेव के जयकार गूंजें। भक्तों ने शिवजी की पूजा घरों में भी भव्य पैमाने पर की। वही भक्तों ने शिवालयो में पहुंचकर भी पूजा का क्रम विधी विधान के साथ किया। शिवालयों में भक्तों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन ने कडे बंदोबस्त किये थे।

गांव-गांव में बिखरी वन संपदा और औषधियों को सहेजने की जरूरत : मंत्री चौहान

झाबुआ। आदिवासी सदियों से वनों में रहते आए है। वे जंगल में मिलने वाले फल और तमाम तरह के वृक्षों से भली प्रकार परिचित होते है, आज भी नई पीढ़ी के कुछ लोगों सहित हमारे बड़े बूढ़े जंगलों में मिलने वाली विविध औषधियों के ना केवल अच्छे जानकार है बल्कि जरूरत पड़ने पर वे इन औषधियों का भली प्रकार रोग मुक्त होने में उपयोग भी करते है। हमारे क्षेत्र के गांव और उनके आसपास के जंगल औषधियों से समृद्ध है। हमें इन औषधियों को सहेजने की जरूरत है। उक्त विचार प्रदेश के केबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान ने आदिवासी समाज और क्षेत्र में नवजागरण के लिए सतत सक्रिय शिवगंगा गुरुकुल धरमपुरी में आरोग्य वन सप्ताह के छठवें चरण तहत आयोजित जनजागरण विशाल सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उल्लेखनीय है कि झाबुआ और अलीराजपुर जिले से जुड़े आदिवासी अंचल के 1 हजार 320 गांवों के प्रत्येक परिवार को 12 वर्षों में पौधारोपण से जोड़ा जाने का क्रम आरंभ हो चुका है। इसी के तहत शिवगंगा द्वारा आरोग्य वन सप्ताह अभियान चलाकर ना केवल वृहद स्तर पर गांव-गांव में पौधारोपण ही किया जा रहा बल्कि विविध वन औषधी संबंधी जानकारी के साथ इनसे जुड़े पौधों को सुरक्षित रूप से बड़ा करने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री चौहान ने कहा शिवगंगा का यह आरोग्य वन सप्ताह एक ऐसा अभियान है, जो समाज में नवजागरण के साथ बड़े पैमाने पर औषधीय पौधों को वृक्ष बनने तक सम्हाल करने की नवीन परंपरा की नींव रखता नजर आता है। जिसका लाभ पौधारोपण करने वाले परिवार को ही नहीं बल्कि संपूर्ण समाज को प्राप्त होगा। शिवगंगा का वन संपदा समृद्धि का यह अभियान एक नवीन क्रांति है। किरण भूरिया ने कहा की आने वाले 12 वर्षों में झाबुआ अंचल के प्रत्येक गांव को रोग मुक्त बनाएंगे। जंगल हमारी आदिवासी संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग है और अब हम इन्हें औषधीय वृक्षों से और अधिक समृद्ध करेंगे। हमारा प्रयास रहेगा कि आने वाले वर्षों में यह क्रम इसी तरह लगातार जारी रहे। पद्मश्री महेश शर्मा ने कहा कि आदिवासियों की आरोग्य ज्ञान संपदा विज्ञान सम्मत है। जिसका वे लंबे समय से अपने समाज के लिए उपयोग करते आए है। आज आधुनिक युग में नगरों ही नहीं महानगरों में भी लोग रोग मुक्त होने के लिए वन औषधियों का बड़ी मात्रा में उपयोग करते है। शिवगंगा द्वारा झाबुआ और अलीराजपुर के अनेकों गांवो में आयुर्वेदिक औषधि वाले पौधों का जो रोपण किया जा रहा है। यह ना केवल संबंधित परिवारों के लिए रोग उपचार में ही काम आएगा बल्कि इनसे मिलने वाले फल और औषधीय उपज उनके आय अर्जन का माध्यम भी बनेगी। गौरतलब है कि आरोग्य वन सप्ताह के तहत 551 परिवारों ने गांव को निरोगी बनाने का संकल्प लेने के साथ आरोग्य प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर इंदौर, सूरत, अहमदाबाद और आईआईटी दिल्ली से लगभग 60 गणमान्य विद्वान शामिल हुए।

दहेज के रूप में रुपये मांगने वाले पिता-पुत्र गिरफ्तार, भेजा जेल

झाबुआ। पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल के निर्देशन में जिले में भांजगड़ी प्रथा (दहेज दापा) जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हेतु दिए गए निर्देशों के अनुपालन में, अति. पुलिस अधीक्षक प्रतिपालसिंह महोबिया एवं एसडीओपी अनुरक्ति साबनानी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पेटलावद निर्भयसिंह भूरिया व उनकी पुलिस टीम द्वारा सराहनीय कार्यवाही करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। घटना के विवरण में बताया गया किः घटना दिनांक को फरियादी बबलु पिता नरसिंह डामर 23 वर्ष नि. काचरोटिया अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान आरोपी मनसुर पिता अमरसिंह परमार, अशोक पिता मनसुर परमार, ईश्वर पिता अमरसिंह परमार, दिनेश पिता अमरसिंह परमार, प्रकाश पिता अमरसिंह परमार, पारीबाई पति मनसुर परमार (सभी निवासी काचरोटिया) वहां आए और फरियादी से उसकी पत्नी अनिता परमार के साथ रहने के एवज में 10 लाख रुपये की अवैध मांग करने लगे।

आरोपियों ने फरियादी और उसकी पत्नी को गालियां दी, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना पेटलावद में अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। अनुसंधान के दौरान चौकी प्रभारी सारंगी दीपक देवरे द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी मनसुर पिता अमरसिंह परमार, अशोक पिता मनसुर परमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा। इस कार्यवाही से समाज में फैली भांजगड़ी प्रथा व दहेज दापा की कुरीतियों पर अंकुश लगेगा। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी भूरिया, चौकी प्रभारी सारंगी देवरे, चालक आर. मोतीलाल डिंडोर, आर. पंकज राजावत का सराहनीय सहयोग रहा।

वामा साहित्य मंच ने सावन पिकनिक में बिखेरे खुशियों के रंग!

इंदौर. वामा साहित्य मंच द्वारा सावन के सुहावने अवसर पर एक यादगार पिकनिक का आयोजन किया गया. अध्यक्ष ज्योति जैन, सचिव स्मृति आदित्य सहित मंच से जुड़ी सभी लेखिकाओं ने बड़े ही उत्साह और आनंद के साथ, हरे रंग में सजकर इसमें सम्मिलित हुई. यह आयोजन न केवल साहित्यिक गतिविधियों से परे मनोरंजन का एक अद्भुत संगम था, बल्कि इसने सभी लेखिकाओं को एक साथ आकर खुशियाँ बांटने और अपनी रचनात्मक ऊर्जा को नई दिशा देने का अवसर भी प्रदान किया.

आयोजक वरिष्ठ लेखिका शारदा मण्डलोई ने महिमा स्मार्ट सिटी के श्री राधाकृष्ण मंदिर परिसर में यह सुहावनी पिकनिक आयोजित की. यहां सब लेखिकाओं के पहुंचते ही चारों ओर उत्सव का माहौल छा गया. प्रकृति की हरी-भरी गोद में सबने विभिन्न खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. दिव्या मण्डलोई के संचालन में क्वीज प्रतियोगिता हुई जहाँ सभी के ज्ञान का परीक्षण किया, वहीं नृत्य और गायन ने वातावरण में नई ऊर्जा और उमंग भर दी.

भक्तों ने लिया मनभद्र बाबा का आशीर्वाद

नव भारत न्यूज

इंदौर. श्री मानभद्र भक्त मंडल द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया. यह इस आयोजन का 28वां वर्ष है. इस अवसर पर सम्पूर्ण कार्यक्रम को नृत्य करते हुए मयूर की आकृति में मनमोहक झांकी, दर्शनीय, रंग-बिरंगी कलाकृतियों से सजाया गया. आयोजन के प्रथम दिवस पर प्रयत्न ग्रुप द्वारा भक्तामर पाठ का समूह में गायन किया गया. दूसरे दिवस पर स्वर्ण दीपों से संगीतमय आरती एवं स्वामी वात्सल्य का विशाल आयोजन हुआ. मनीष (मोनू), सपना गोधा परिवार ने भक्तामर पाठ व शरद जुंवा एवं आशीष जुंवा परिवार ने महाआरती का लाभार्थी बनकर पुण्य अर्जित किया. कलाकार देवेश जैन मोहनखेड़ा वाले ने भजनों की प्रस्तुति दी. साथ ही श्री मानभद्र भक्त मंडल ने विशेष रूप से इस अवसर पर विश्व शांति एवं पर्याप्त वर्षा हेतु मंगल कलश की स्थापना के साथ 51 हजार जाप एवं मंत्रों का उच्चारण किया.

एक नजर ▸ कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के युवाओं को करियर के प्रति मार्गदर्शन देना है

करियर एवं जीवन दर्शन पर मार्गदर्शन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

झाबुआ। स्थानीय पुलिस लाइन में झाबुआ पुलिस द्वारा करियर एवं जीवन दर्शन विषय पर एक विशेष मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन की पहल पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल द्वारा की गई तथा अति. पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह महोबिया के मार्गदर्शन में इसे संपन्न किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के युवाओं को करियर के प्रति मार्गदर्शन देना तथा आमजन को जीवन के विभिन्न पहलुओं पर विचारशील बनाना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि देश के ख्यातिप्राप्त प्रो. संत प्रसाद गौतम उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने उनका परिचय देते हुए बताया कि गौतम के नाम 125 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हैं एवं उन्होंने दर्जनों वैज्ञानिक पेटेंट भी हासिल किए हैं। पुलिस अधीक्षक ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह कार्यशाला छात्रों के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगी, विशेष रूप से वे छात्र जो विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। प्रो. गौतम ने अपने व्याख्यान में युवाओं को सफलता के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अर्जुन की भांति अपने लक्ष्य पर एकाग्र होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पढ़ाई को बोझ न मानते हुए उसमें आनंद ढूंढना चाहिए, जिससे विषय पर पकड़ मजबूत होती है और दीर्घकालीन स्मरण क्षमता विकसित होती है। उन्होंने यह भी समझाया कि जैसे शरीर खुद ही कई रोगों से लड़ने की क्षमता रखता है, वैसे ही इंसान को बार-बार असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि बार-बार प्रयास करते रहना चाहिए। सफलता एक सतत प्रक्रिया है और उसके लिए परिश्रम आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि करियर का चुनाव अपनी रुचियों के आधार पर करना चाहिए, न की दुसरों के दबाव में। यदि हम अपने कार्य में रुचि रखते हैं, तो सफलता की राह भी आनंदमय हो जाती है। आमजन को संबोधित करते हुए उन्होंने जीवन दर्शन पर भी प्रकाश डाला और रामायण एवं श्रीमद् भगवद्गीता जैसे ग्रंथों के आदर्शों से सीख लेने की प्रेरणा दी। उन्होंने जीवन में सकारात्मक सोच, आत्मविश्लेषण और नैतिक मूल्यों को अपनाने पर बल दिया। कार्यशाला में विभिन्न नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशामुक्ति, यातायात नियम, हेलमेट की उपयोगिता एवं अन्य विषयों पर जागरूक किया गया। प्रो. गौतम द्वारा पुलिस लाइन झाबुआ में संचालित दिशा लर्निंग सेंटर लाइब्रेरी का भी भ्रमण किया। इस अवसर पर मधुलिका शुक्ल, प्रो. केके त्रिवेदी, एसडीओपी झाबुआ रूपरेखा यादव, पेटलावद अनुरक्ति साबनानी, डीएसपी कमलेश शर्मा, डीएसपी गिरीश कुमार जेजुरकर, छात्र-छात्राएं, गणमान्य नागरिक एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन पर अति. पुलिस अधीक्षक महोबिया ने सभी का आभार माना।